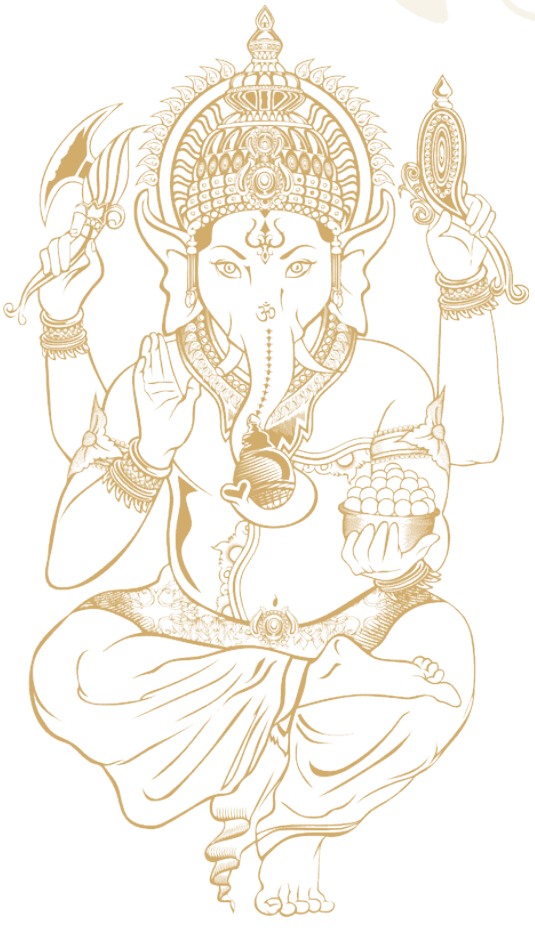

Mr.Rahul Agarwal

Ms.Monika Agarwal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119571602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/06/1995	जन्म तिथि	05/04/1992
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 15:54:00	जन्म समय	06:25:00 घंटे
घटी 26:15:19	जन्म समय(घटी)	01:04:55 घटी
India	देश	India
Jabalpur	स्थान	Hyderabad
23:10:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
79:57:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:10:12	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:52	सूर्योदय	06:08:04
18:54:53	सूर्यास्त	18:30:07
23:47:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:12

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 3मा 27दि	15:28:46	तुला	लग्न	मीन	25:57:22	शुक्र 19वर्ष 5मा 18दि
गुरु	24:20:26	वृष	सूर्य	मीन	21:44:45	चन्द्र
06/10/2015	02:14:14	तुला	चंद्र	मेष	13:41:20	22/09/2017
06/10/2031	13:13:47	सिंह	मंगल	कुंभ	12:24:43	23/09/2027
गुरु 23/11/2017	18:05:17	वृष व	बुध व	मीन	05:47:47	चन्द्र 24/07/2018
शनि 06/06/2020	15:42:45	वृश्चि व	गुरु व	सिंह	11:53:15	मंगल 22/02/2019
बुध 11/09/2022	04:41:19	वृष	शुक्र	मीन	03:27:11	राहु 23/08/2020
केतु 18/08/2023	00:21:23	मीन	शनि	मक	22:29:53	गुरु 23/12/2021
शुक्र 18/04/2026	11:02:27	तुला	राहु व	धनु	10:07:09	शनि 24/07/2023
सूर्य 05/02/2027	11:02:27	मेष	केतु व	मिथु	10:07:09	बुध 23/12/2024
चन्द्र 06/06/2028	06:11:41	मक व	हर्ष	धनु	24:08:30	केतु 24/07/2025
मंगल 12/05/2029	01:17:55	मक व	नेप	धनु	25:08:19	शुक्र 24/03/2027
राहु 06/10/2031	04:54:00	वृश्चि व	प्लूटो व	तुला	28:45:38	सूर्य 23/09/2027

लग्न-चलित

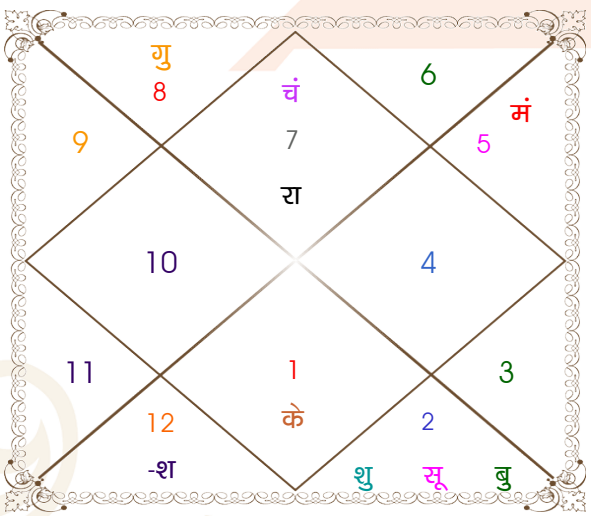

लग्न-चलित

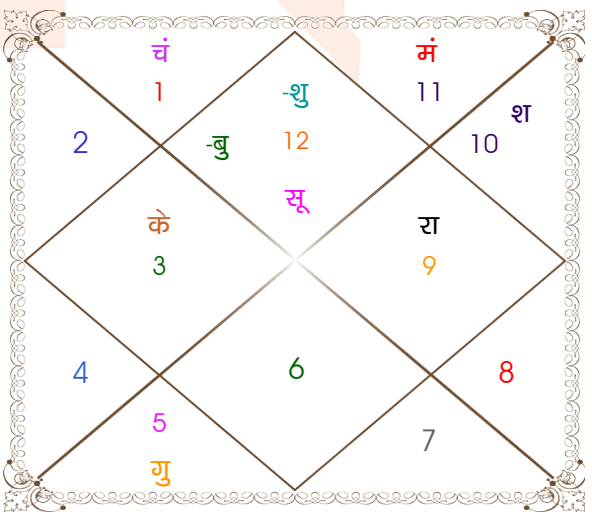

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गज	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतण्तीनस ।हंतूंस का वर्ग मृग है तथा डेण्डवदपां ।हंतूंस का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्तीनस ।हंतूंस और डेण्डवदपां ।हंतूंस का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्तीनस ।हंतूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डेण्डवदपां ।हंतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण्तीनस ।हंतूंस कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्तीनस ।हंतूंस तथा डेण्डवदपां ।हंतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।